टेंडर विवाद में जानलेवा हमला, कार अड़ाकर की फायरिंग निशाना चूकने पर पिस्टल की बट से युवक को लहूलुहान किया

सतना।

शहर के पॉश इलाके सिविल लाइन थाना अंतर्गत पेप्टेक सिटी में रविवार को वर्चस्व और टेंडर विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सड़क निर्माण के टेंडर को लेकर चल रही खींचतान के चलते एक युवक पर जानलेवा हमला किया गया। आरोपी ने पहले पीड़ित की कार के सामने अपनी गाड़ी अड़ाकर रास्ता रोका और फिर पिस्टल से फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली मिस हो गई,जिसके बाद आरोपी ने पिस्टल की बट से प्रहार कर युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया।

पुरानी दोस्ती में टेंडर ने घोली कड़वाहट

प्राप्त जानकारी के अनुसार,विवाद की जड़ करीब 10-15 दिन पहले खुले एक सड़क निर्माण के टेंडर से जुड़ी है। यह टेंडर गौरव सिंह के नाम पर स्वीकृत हुआ था,जिसमें रघुराज सिंह भी एक दावेदार थे। बताया जा रहा है कि गौरव और रघुराज के बीच पहले काफी अच्छे संबंध थे,लेकिन टेंडर प्रक्रिया के बाद रिश्तों में दरार आ गई। सूत्रों के मुताबिक,रघुराज सिंह उक्त निर्माण कार्य में हिस्सेदारी की मांग कर रहे थे,जिसे गौरव ने स्वीकार नहीं किया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच पिछले कुछ दिनों से तनाव बना हुआ था।

पिस्टल की बट से किया हमला,अस्पताल में भर्ती

फायरिंग की आवाज सुनकर गौरव ने जैसे ही अपनी कार रोकी और बातचीत के लिए शीशा नीचे किया, आरोपी रघुराज ने पास आकर पिस्टल की बट से गौरव के सिर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में गौरव बुरी तरह घायल हो गए। किसी तरह जान बचाकर पीड़ित सिविल लाइन थाना पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई,जिसके बाद उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस की कार्रवाई

सिविल लाइन थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि टेंडर विवाद और पुरानी रंजिश के कोण से जांच की जा रही है। आरोपी फिलहाल फरार है,जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। इलाके में इस घटना के बाद से सनसनी फैल गई है।

बैठक में हुई बहस,फिर रास्ते में घेराबंदी

घटनाक्रम की शुरुआत पेप्टेक सिटी स्थित गुलाब पार्क में आयोजित कॉलोनी की एक बैठक से हुई। बैठक में दोनों पक्ष मौजूद थे,जहां उनके बीच तीखी नोकझोंक हुई। वहां से निकलने के बाद जब गौरव सिंह अपने साथी लकी के साथ कार से घर लौट रहे थे,तभी रघुराज ने रास्ते में अपनी कार अड़ाकर उन्हें रोक लिया। गौरव ने जब गाड़ी नहीं रोकी तो आरोपी ने सीधे पिस्टल से फायर कर दिया। भाग्यवश निशाना चूक गया और फायर मिस हो गया।

पुराने विवाद को लेकर कोई मारपीटः टी आई

सिविल लाइन थाना के टीआई योगेंद्र सिंह ने बताया कि पुराने विवाद को लेकर दोनों पक्ष के बीच मारपीट हुई है पिस्तौल की बाढ़ से हमला किया गया है घायल का इलाज चल रहा है आरोपी की तलाश की जा रही है गोली चली या नहीं इसकी भी जांच की जा रही है।

खबर संक्षेप

मां शारदा मंदिर में फिसलकर घायल हुआ श्रद्धालु, प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल भेजा गया

मैहर। चैत्र नवरात्रि के दौरान मैहर मां शारदा मंदिर में दर्शन करने पहुंचे एक श्रद्धालु के फिसलकर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया है। जानकारी के अनुसार विकास चौबे (45 वर्ष), निवासी दमोह अपने परिजनों के साथ मां शारदा के दर्शन के लिए मैहर आए थे। बताया गया कि रोपवे प्वाइंट पर स्थित बाथरूम में पैर फिसल जाने से वे गिर पड़े,जिससे उनके सिर में गंभीर चोट लग गई और काफी खून बहने लगा। घटना के बाद मौके पर मौजूद परिजन और श्रद्धालुओं में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही रोपवे प्वाइंट पर तैनात स्वास्थ्य टीम ने तत्काल पहुंचकर घायल को प्राथमिक उपचार दिया। बीएमओ डॉ पीयूष पांडेय,सीएचओ नेहाली सनोडिया,हेमंत सोनी और संबल यूके ने मौके पर ही घाव की ड्रेसिग की। चोट गंभीर होने और अधिक रक्तस्राव को देखते हुए तुरंत एम्बुलेंस बुलाकर घायल को सिविल अस्पताल मैहर रेफर किया गया।अस्पताल में इलाज के बाद श्रद्धालु की हालत सामान्य बताई गई और उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। गौरतलब है कि चैत्र नवरात्रि के चलते इन दिनों मां शारदा मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। प्रशासन द्वारा मंदिर परिसर और रोपवे क्षेत्र में मेडिकल टीम तैनात की गई है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

मैहर नगर पालिका के विकास मॉडल को मिली बड़ी पहचान

मैहर। मां शारदा की पावन नगरी मैहर अब सिर्फ आस्था का केंद्र ही नहीं,बल्कि विकास के मानचित्र पर भी तेजी से उभरता हुआ शहर बन चुका है। नगर पालिका परिषद मैहर के विकास कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलना शहर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि से कम नहीं है। इस उपलब्धि के पीछे नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी का मजबूत नेतृत्व और दूरदर्शी सोच साफ तौर पर झलकती है।उनके कार्यकाल में शहर में स्वच्छता अभियान,पेयजल व्यवस्था,सड़क निर्माण और नागरिक सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।मैहर के विकास मॉडल की इस सराहना ने यह साबित कर दिया है कि सही नेतृत्व और जनहित की सोच से छोटे शहर भी देशभर में अपनी अलग पहचान बना सकते हैं। यह सम्मान न केवल नगर पालिका के लिए,बल्कि हर मैहरवासी के लिए गर्व का क्षण है। अब उम्मीद की जा रही है कि इस राष्ट्रीय पहचान के बाद मैहर में विकास की रफ्तार और तेज होगी,और यह शहर प्रदेश ही नहीं,देश में एक आदर्श नगर के रूप में स्थापित होगा।

प्रभारी मंत्री राधा सिंह 24 मार्च को मैहर के विभिन्न कार्यक्रमों में होंगी शामिल

मैहर। मध्यप्रदेश शासन की पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री एवं मैहर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह 24 मार्च को प्रातः 5.40 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से मैहर आयेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री प्रातः 8 बजे मां शारदा देवी के दर्शन करेंगी। इसके बाद प्रभारी मंत्री प्रातः 10 बजे सर्किट हाउस में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगी तथा प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के अधिकारियों की बैठक लेंगी। प्रभारी मंत्री दोपहर 1.30 बजे ग्राम पंचायत पोडी में लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होने के पश्चात सायं 4.30 बजे संगीत महाविद्यालय में कथक हॉल का लोकार्पण करेंगी। इसके बाद प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह सायं 5 बजे कार द्वारा चितरंगी के लिए प्रस्थान करेंगी।

पेट्रोल महंगा, कमर्शियल सिलेंडर गायब, छोटे होटलों के कारोबार पर संकट

मैहर।

बढ़ती महंगाई ने आम जनजीवन पर चौतरफा असर डालना शुरू कर दिया है। एक ओर प्रीमियम पेट्रोल के लगातार बढ़ते दामों से परिवहन और माल ढुलाई की लागत बढ़ रही है,वहीं दूसरी ओर कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत और ऊंचे दामों ने छोटे कारोबारियों,होटल संचालकों और ठेला-खोंचा व्यापारियों के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है।महंगाई का असर अब सीधे आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा के खर्च पर दिखाई देने लगा है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि प्रीमियम पेट्रोल के दामों में लगातार हो रही बढ़ोतरी का सीधा असर परिवहन लागत पर पड़ेगा। जब माल ढुलाई महंगी होगी तो इसका असर फल,सब्जी,अनाज और अन्य जरूरी सामानों की कीमतों पर भी पड़ेगा।आने वाले दिनों में खाद्य पदार्थों की कीमतों में और बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही है। महंगाई बढ़ने से मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों का मासिक बजट पूरी तरह बिगड़ता जा

रहा है। आमदनी सीमित है लेकिन खर्च लगातार बढ़ रहे हैं जिससे लोगों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत और बढ़ती कीमतों ने होटल व्यवसाय से जुड़े लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। विशेष रूप से छोटे होटल,ढाबा संचालक,चाय-नाश्ते की दुकानें,चाट-फुल्की और ठेला लगाने वाले छोटे व्यापारी सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। गैस महंगी होने और सिलेंडर समय पर न मिलने के कारण कई दुकानदारों को अपना काम सीमित करना पड़ रहा है। वहीं बढ़ती लागत के कारण होटल और रेस्टोरेंट संचालकों ने खाने-पीने की वस्तुओं के दाम बढ़ा दिए हैं,जिससे ग्राहकों की संख्या में भी कमी देखी जा रही है। इस मुद्दे को लेकर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रमेश प्रजापति 'मुन्ना' ने केंद्र और राज्य सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि बढ़ती महंगाई से हर वर्ग परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेट्रोल-डीजल और गैस के बढ़ते दामों से आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने बढ़े हुए दाम वापस लेने और कमर्शियल गैस की आपूर्ति सुचारू करने की मांग की है। आज बाजार में खरीदारी करने आए नागरिकों का कहना है कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, लेकिन आय के साधनों में कोई बढ़ोतरी नहीं हो रही है। घर का बजट संभालना मुश्किल होता जा रहा है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया गया,तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। कुल मिलाकर,पेट्रोल की बढ़ती कीमतों और कमर्शियल गैस की किल्लत ने आम आदमी से लेकर छोटे व्यापारियों तक सभी की आर्थिक स्थिति पर असर डाला है और महंगाई अब जनजीवन की सबसे बड़ी चिंता बनती जा रही है।

खेत के घर के आंगन में घुसे मगरमच्छ को वन विभाग की टीम ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

मैहर।

मैहर जिले के वन परिक्षेत्र अमरपाटन के ग्राम हर्रई टटेहरा टोला में शनिवार की शाम को उस समय हड़कंप मच गया,जब एक व्यस्क मगरमच्छ खेत में बने एक घर के आंगन में दिखाई दिया। अचानक मगरमच्छ को देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई और लोगों ने तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मुकुंदपुर रेस्क्यू सेंटर की विशेषज्ञ टीम को बुलाया गया। टीम ने काफी सावधानी और सतर्कता के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और मगरमच्छ को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया।

वन विभाग ने किया रेस्क्यू

रेस्क्यू के बाद मगरमच्छ को वाहन से ले जाकर बाणसागर बांध के सुरक्षित क्षेत्र में छोड़ दिया गया। इस अभियान में मुकुंदपुर रेस्क्यू सेंटर के रेस्क्यू इंचार्ज अभिषेक विश्वकर्मा,परिक्षेत्र,परिक्षेत्र सहायक रामनिहोर वर्मा,अखिलेश मिश्रा,सीताराम पाल,पप्पू कोल,मोहित सिंगरहा और आशीष रैकवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रेस्क्यू ऑपरेशन सफल होने के बाद घर के लोगों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि इस तरह की स्थिति में घबराएं नहीं और तुरंत विभाग को सूचना दें।

राज्यमंत्री ने किया ग्राम बम्हरौला में विकास कार्यों का भूमिपूजन

सतना।

नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास, बेहतर सड़क संपर्क और सामाजिक गतिविधियों के लिए आवश्यक अधोसंरचना उपलब्ध कराना प्राथमिकता में शामिल है। राज्यमंत्री ने कहा कि इन निर्माण कार्यों से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और सामाजिक आयोजनों के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध हो सकेगा। राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने रविवार को रैगांव विधानसभा अंतर्गत ग्राम बम्हरौला में विभिन्न विकास कार्यों की श्रृंखला में भूमिपूजन किया। राज्यमंत्री ने कार्यक्रम के तहत पतारी टोला में 7 लाख रुपये की लागत से पी.सी.सी. रोड निर्माण, 20 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण तथा पतारी से रनेही मार्ग तक लगभग 400 मीटर लंबाई की ग्रेवल रोड निर्माण कार्य लागत 5 लाख रुपये का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि,विभागीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

राज्य की जीएसडीपी पंहुचेगी 18.48 लाख करोड़ रुपये

सतना।

मध्यप्रदेश में मोहन सरकार के अथक प्रयासों से राज्य की अर्थव्यवस्था 2026-27 में 18.48 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच जायेगी। राज्य के बजट प्रावधानों को देखते हुए उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। वर्ष 2025-26 में जीएसडीपी 16.48 लाख करोड़ रुपये रही जो अब बढ़ रही है। राज्य की अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपये के बजट में विकास,सामाजिक सुरक्षा और अधोसंरचना विस्तार को केंद्र में रखा है।

मैहर मां शारदा मंदिर में भक्तों के खतनाक रास्ते से जाने का वीडियो हुआ वायरल

अत्याधिक भीड़ के कारण दर्शनार्थी उठा रहे यह कदम

मैहर। चैत्र नवरात्रि मेले के दौरान मैहर स्थित मां शारदा देवी मंदिर में लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। भीड़ के कारण सीढ़ी मार्ग और रोपवे पर लंबी कतारें लगने से कुछ श्रद्धालु जोखिम भरे पहाड़ी रास्तों का सहारा ले रहे हैं। इस दौरान कुछ भक्तों को सुरक्षा जाली लांघकर मंदिर की ओर बढ़ते देखा गया,जिसका वीडियो सामने आया है। वीडियो में श्रद्धालु लगभग 7 से 8 फीट ऊंची सुरक्षा जाली को पार कर पहाड़ी रास्ते से ऊपर चढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसको किसी व्यक्ति ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया था। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए सीढ़ी मार्ग,रोपवे सहित अन्य निर्धारित व्यवस्थाएं की हैं। हालांकि,अत्यधिक भीड़ और जल्दबाजी के कारण कुछ लोग इन नियमों को नजर अंदाज कर जोखिम भरे मार्गों का उपयोग कर रहे हैं। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से केवल सुरक्षित और निर्धारित मार्गों का ही उपयोग करने की अपील की है ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

मैहर में एक लाख से अधिक भक्तों ने किए मां शारदा देवी के दर्शन

चैत्र नवरात्रि के अवसर पर मैहर के मां शारदा देवी मंदिर में भक्त श्रद्धालुओं की भारी भीड देखी जा रही है। प्रशासन की चौक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच भक्त-श्रद्धालु उत्साहपूर्वक आस्था के साथ मां शारदा देवी के सुगमता से दर्शन कर रहे है। चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन रविवार को देश के कोने-कोने से आये 1 लाख 4 हजार 784 दर्शनार्थियों ने मैहर पहुंचकर सुगमता से शारदा माता के दर्शन किये। इनमें 1 लाख 723 श्रद्धालु पैदल मार्ग से,1 हजार 561 वैन मार्ग तथा 2 हजार 500 श्रद्धालु रोपवे मार्ग से मंदिर माता के दरबार में पहुंचे। नवरात्रि पर्व के चलते मंदिर परिसर में लगातार भक्तों की भीड़ बनी हुई है। प्रशासन एवं मंदिर समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं,जिससे श्रद्धालु शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से माता के दर्शन कर सकें।

रोपवे प्रबंधन की मनमानी से दर्शनार्थी हो रहे परेशान

चैत्र नवरात्रि के दौरान मां शारदा मंदिर में उमड़ी भारी भीड़ के बीच रोपवे प्रबंधन की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े होने लगे हैं। दर्शन के लिए पहुंचे कई श्रद्धालुओं ने रोपवे व्यवस्था को लेकर नाराजगी जाहिर की है और प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि रोपवे के लिए करीब डेढ़ सौ रुपये का टिकट लेने के बावजूद उन्हें बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। लंबी कतारों में एक से दो घंटे तक इंतजार करना पड़ता है,लेकिन इस दौरान न तो पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था है और न ही छाया या बैठने की उचित सुविधा। तेज धूप और भीड़ के बीच यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दर्शनार्थियों ने आरोप लगाया कि रोपवे प्रबंधन की इस लापरवाही का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है। कई लोगों ने बताया कि वृद्ध,महिलाएं और बच्चे सबसे ज्यादा परेशान होते है। लेकिन व्यवस्थाओं में सुधार के लिए कोई ठोस कदम नजर नहीं आ रहे। श्रद्धालुओं ने प्रशासन से मांग की है कि रोपवे क्षेत्र में तत्काल पेयजल,छाया और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं ताकि नवरात्रि में आने वाले लाखों भक्तों को राहत मिल सके।

तिरंगा इन फौजियों के सांसों से लहराता है, हमारे देश के फौजी वेतन के लिये नहीं वतन किये सेना में जाते हैं -बागेश्वर सरकार धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री

कर्म ही साक्षी होता है कर्म करो फल की इच्छा ईश्वर पर छोड़ दो खुद परिणाम सामने आता है

जो समय भगवान के दर्शन का था वह सेवक को देकर सूबेदार पुष्पेन्द्र तिवारी के कार्यों से मिला सभी को सम्मान

आज सबसे बड़ा उदाहरण विगत दिवस बागेष्वर धाम में देखने को मिला जहां सेना में सुबेदार पद पर पदस्थ रहकर अपने वेतन से गांव में जन्मी हर बेटी को 5 हजार व षिक्षा के क्षेत्र में 80 प्रतिषत से अधिक अंक लाने वाले छा-छात्राओं को 10 हजार की राषि वहीं गांव की उन्नति के लिये नारी सम्मान जैसे कार्यों को बागेष्वर धाम में स्वयं बागेष्वर सरकार पं0 धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने स्वयं जहां छात्र-छात्राओं को तथा बेटियों को जन्म देने वाली माताओं को अपने हांथ से राशि वितरित तो की ही सम्मान के रूप में वहीं सुबेदार पुष्पेन्द्र तिवारी सपरिवार सम्मान गांव वालों को आशीर्वाद सिमरिया तहसील व पन्ना जिले को आर्षीवाद सुबेदार पुष्पेन्द्र तिवारी के कर्म फल के रूप में सामने आया।

पन्ना।

बागेष्वर धाम में रात्रि लगभग 9 बजे के समय यह देखने में नजर आ गया कि कर्म जब अच्छे किये जाते है तो परिणाम तो स्वयं ही भगवान के द्वारा जो देने की बात कही जाती है वह सामने आया। बागेष्वर धाम बागेष्वर सरकार जिनका अमूल्य समय जो साधना के बाद भगवान के मंदिर दर्षन का होता था वह अमूल्य समय सुबेदार पुष्पेन्द्र तिवारी के कर्मों के कारण जहां दसों हजार जनमानस को बागेष्वर सरकार के दर्षन लाभ मिले वहीं पन्ना जिले की सिमरिया तहसील के दनवारा गांव से जो लगभग 500 लोग सुबेदार पुष्पेन्द्र तिवारी के साथ बागेष्वर धाम पहुंचे थे जहां सभी गांववासियों को दर्षन लाभ तो मिले ही स्वयं बागेष्वर सरकार ने पुष्पेन्द्र तिवारी को आर्षीवाद तो दिया ही व उनके परिवार को तथा दनवारा गांव वालों की जय हो सिमरिया तहसील व पन्ना जिले की जय हो किशोर जी भगवान की जय बोली यह साक्षात सम्मान बागेष्वर सरकार के द्वारा पं0 धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के मुखारबिन्दों से उदघोष के रूप में परिणित हुआ यही परिणाम अच्छे कर्मों का साक्षी बना। स्वयं पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री बागेष्वर धाम में अपने मंच से जिन्होंने आम जनता के सामने कहा कि हमारे देष के फौजी वेतन के लिये नहीं वतन लिये सेना में जाते है वहीं जो आज तिरंगा देष का लहराता है यह तिरंगा इन फौजियों की सांसों से लहराता है। इतना ही नहीं बेटी बचाओ बेटी पढाओ का नारा सरकार ने दिया पर पन्ना जिले के सिमरिया तहसील अंतर्गत दनवारा गांव में सुबेदार पुष्पेन्द्र तिवारी ने बेटी पालो का नारा दिया वहीं बागेष्वर धाम का नारा बेटी सजाओ का नारा किस तरह से यह सूत्र आपस में तय हो गया यह तो भगवान ही जानते है कैसे दनवारा गांव में जो कार्यक्रम प्रतिवर्ष होता था वह भगवान बागेष्वर धाम सरकार में पहुंचा जहां से स्वयं बागेष्वर सरकार ने उन होनहार छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में चाहे वह खेल जगत में हो या पर्वतारोही गौरी अरजरिया जैसी बेटी हो भजन गायिका आदि के क्षेत्र में नारी सम्मान वहीं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान इतना ही नहीं स्वयं बागेष्वर धाम में सरकार ने बाला जी की कृपा से सुबेदार पुष्पेन्द्र तिवारी के पिता व पत्नि बेटे सहित सभी को सम्मान के साथ नवाजा। इतना ही नहीं इनकी टीम को भी सम्मान से नवाजा गया पुष्पेन्द्र तिवारी जी के द्वारा जो अपनी वेतन से गांव दनवारा में जन्मी बेटियों को प्रतिवर्ष 5 हजार रूप्ये की राषि चाहे वह जिस जाति की हो प्रदान की जाती है वह बागेष्वर धाम सरकार ने कुछ माताओं को भेंट की सम्मान के साथ ये हे हमारे सेना के पद पर पदस्थ सुबेदार पुष्पेन्द्र तिवारी की सोच वहीं जो अपने गांव की उन्नति के लिये तत्पर है जो षिक्षा के माध्यम से प्रतिस्पर्धा लाने के लिये 80 प्रतिषत से अधिक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं को 10 हजार की राषि तथा 90 प्रतिषत अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं को प्लेन से दिल्ली की दो दिन की सैर यह षिक्षा के माध्यम से छात्र.-छात्राओं का भविष्य संवारा जाता है वहीं खेलों के माध्यम से भी प्रतिभाओं को अवसर देकर तरासा जा रहा है। इन कर्मों का आक्कलन करते हुये जहां बागेष्वर धाम में बाला जी सरकार की कृपा से सन्यासी बाबा की जय-जयकारों के नारों के साथ पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने सभी को सम्मान दिया भगवान को जो समय देना था वह सेवक को दिया समाज सेवा के क्षेत्र के कारण समूचे गांव को आर्षीवाद मिला यह नेक कार्य का परिणाम आया सामने।

स्वेच्छा आनंद क्लब के अध्यक्ष सतानंद पाठक को राज्य स्तर पर मिला पुरस्कार

आनंद के आयाम संगोष्ठी में खुशहाली पर मंथन

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया शुभारंभ, देशभर के विशेषज्ञ हुए शामिल

पवई। भोपाल में 20 मार्च। अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस के अवसर पर राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग, मध्य प्रदेश शासन द्वारा "आनंद के आयाम" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भोपाल स्थित आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव उपस्थित रहे। स्वागत उद्बोधन आनंद विभाग के प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि अपने कार्य को दक्षता और समर्पण के साथ करना भी आनंद का एक महत्वपूर्ण स्वरूप है। उन्होंने समाज में सकारात्मकता और सेवा भावना को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

पन्ना से सतानंद पाठक हुए सम्मानित

सेवा पखवाड़ा (17 सितंबर से 02अक्टूबर 2025) के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने पर पन्ना जिले से स्वेच्छा आनंद क्लब के अध्यक्ष सतानंद पाठक को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया, विदित हो कि शिक्षक सतानंद पाठक द्वारा जल संरक्षण ,पक्षियों को दाना पानी, पौधारोपण ,नेकी की दीवार, पुस्तकालय जैसे विभिन्न अभियान इनके द्वारा लगातार चलाए जा रहे हैं सतानंद पाठक को 2019 में राज्यपाल से सम्मानित भी किया जा चुका है। संत-विद्वानों ने रखे विचार, बड़ी संख्या में सहभागिता कार्यक्रम में देशभर के प्रतिष्ठित संस्थानों से आए संतों, विद्वानों, विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों ने "आनंद" के विभिन्न आयामों पर अपने विचार साझा किए। विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित रहे।

ज्वालामाता मंदिर में आज होगी भव्य महाआरती

अमानगंज। अमानगंज क्षेत्र के प्रसिद्ध ज्वालामाता मंदिर में आज श्रद्धा और आस्था के साथ भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दूर दूर से पहुचते हैं। मंदिर समिति द्वारा महाआरती की सभी तैयारियां कर ली गई हैं। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है तथा साफ-सफाई का विशेष ध्यान दिया गया है। महाआरती के दौरान माता के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठेगा। कार्यक्रम के तहत शाम को विशेष पूजा-अर्चना के बाद महाआरती संपन्न होगी, जिसमें स्थानीय भक्तगण ,जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं क्षेत्रीय नागरिक भी शामिल होंगे। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई है। मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुओं से 8.30 बजे सायं समय पर पहुंचकर महाआरती में शामिल होने और कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

खबर संक्षेप

नवीन शिक्षा सत्र 2025-26 में प्रवेश 31 मार्च 2026 तक

पवई। लोक शिक्षण संचालनाय भोपाल के आदेश अनुसार सत्र 2026-27 में प्रवेश दिनांक 23 मार्च से 31 मार्च तक होंगे जिसमें सभी कक्षाओं में जिन कक्षाओं का परीक्षा परिणाम नहीं आया है वे अस्थाई प्रवेश लेकर एवं जिन कक्षाओं का परीक्षा परिणाम आ गया है वे स्थाई प्रवेश लेकर 1अप्रैल2026 से प्रारंभ नवीन शैक्षिक सत्र में नियमित रूप से विद्यालय अध्ययन करेंगे,प्रवेश के साथ ही छात्रों को शासन से प्राप्त समस्त सुविधाएं निःशुल्क पाठयपुस्तके, स्टूडेंटडायरी प्रदान कर छात्रवृत्ति संबंधी मैपिंग ,प्रोफाइल अपडेशन आदि की जानकारी पोर्टल पर प्रविष्ट की जावेगी।तथा वार्षिक परीक्षा में अनुपस्थित/अनुत्तीर्ण छात्रों को पुनः परीक्षा देने द्वितीय अवसर दिया जा रहा है जिसकी समय सारिणी भी जारी कर दी गई है ।उसकी तैयारी के साथ सभी छात्रों को नए सत्र के पाठ्यक्रम का अध्यापन,बृज कोर्स, अवकाश हेतु प्रोजेक्ट वर्क,होम वर्क आदि पूर्ण करने के निर्देशो की जानकारी प्राचार्य शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट उमावि पवई आर के नगायच ने बताया तथा अभिभावकों से आग्रह किया कि संस्था में अध्ययनरत कक्षा केजी से 11 वीं के सभी छात्र/ छात्राओं का 31 मार्च 2026 तक प्रवेश पूर्ण कर नियमित रूप विद्यालय में भेजे।साथ ही कैचमेंट एरिया/ 2 किलोमीटर के सभी शासकीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक से भी अपील की है कि कक्षा 5 एवं 8 वी में अध्ययनरत सभी छात्र/छात्राओं का प्रवेश सुनिश्चित करे। अध्ययनरत छात्रों की सूची संकुल में जमा करे।कक्षा शिक्षकों को भी अध्ययनरत छात्रों को अभिभावक/माता पित और छात्रों को प्रवेश हेतु सूचित करने और समय सीमा में प्रवेश पूर्ण करने हेतु संपर्क कार्यक्रम वॉर्डन शिक्षकों द्वारा करने के निर्देश की जानकारी दी गई।

वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी जी के बलिदान दिवस पर भव्य कार्यक्रम, जनसमुदाय ने अर्पित की श्रद्धांजलि

पन्ना। जिले के अजयगढ़ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चंदौरा में 1857 की क्रांति की महान नायिका रानी अवंती बाई लोधी जी के बलिदान दिवस के अवसर पर एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उपस्थित होकर वीरांगना को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बड़ा मलहरा की विधायिका सुश्री राम सिंह भारती जी रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सुश्री कुसुम सिंह महदेले द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथियों के रूप में भाजपा बांदा के जिला अध्यक्ष कल्लू राजपूत जी, जिला कमांडर छतरपुर करण सिंह राजपूत जी, विधानसभा प्रत्याशी बांदा धीरज राजपूत जी, वरिष्ठ अधिवक्ता शारदा प्रसाद सिंगरौल जी, पूर्व सैनिक एवं सरपंच राम शिरोमणि लोधी जी तथा प्राचार्य रामकिशोर अहिरवार जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी जी के साहस, त्याग और देशभक्ति को याद करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उपस्थित जनसमुदाय में देशभक्ति का उत्साह स्पष्ट रूप से देखा गया और सभी ने उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

विश्व जल दिवस के अवसर पर जल महोत्सव कार्यक्रम का समापन

जल गंगा संबर्धन अभियान कार्यक्रम का आयोजन

पन्ना। विश्व जल दिवस के अवसर पर स्वयं सेवी संस्था समर्थन ने ग्राम पंचायत शाहपुरा में जल महोत्वसव कार्यक्रम का आयोजन किया एवं जल गंगा संबर्धन अभियान को जनभागीदारी से करने की वात कही । जल महोत्सव कार्यक्रम 8 मार्च से चला एवं 22 मार्च को शाहपुरा में समापन किया गया एवं जल गंगा संबर्धन अभियान का प्ररम्भ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उमराव सिंह मरावी, परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार,ग्राम पंचायत के संरपंच महेन्द्र दीक्षित रिलायंस फाउन्डेसन के जिला परियोजना प्रबंधक मुकेश सिंह सेंगर, प्रदीप तिवारी, समर्थन से अशीष कुमार झा ,ज्ञानेंद्र तिवारी, समाजसेवी संतोष तिवारी, आरती विश्कर्मा, हरेन्द्र, विकास, कौशिल्या, मीत पटेल,रोहिणी सिंह,नवनीत, शिखा, विजयकान्त, उमेंश एवं शाहपुरा पंचायत मित्र सोनू खरे विजय अहिरवार ,पंचायत मित्र एवं ग्रामीण शामिल रहे। साहिब सिंह चंदेल नवाकुर संस्था गड़रपुर की टीम ने स्वागत एवं जल गंगा संबर्धन अभियान जागरूकता गीत गाया। जल संरक्षण के कार्य महत्वपूर्ण कृ संजय सिंह परिहार ने कहा की सरकार की योजना के साथ जनता की भागीदारी से स्थायी संरचनाओ का निमार्ण होता है। जब लोग आगे आते है तो विकास स्थायी होता है। जल गंगा संबर्धन अभियान हमें अपनी जल धरोहर को संरक्षित करने की प्रेरणा देता है। सरपंच एवं सभी ग्रामीणो की उपस्थिति में रून्ज नदी जो शाहपुरा गांव के बगल से निकलती है उसका पूजन किया एवं महत्व पर चर्चा की। इस अवसर पर नदी के पुनर्जीवन के लिये नदी के दोनो तरफ सहयोग नालो पर गेवियन संरचना निर्माण के लिये सभी की सहमति बनी है। सीईओ जिला पंचायत ने कहा की समर्थन द्वारा तैयार ग्राम विकास योजना में लिये गये जल संरक्षण के कार्य बहुत ही सराहनीय पहल है। हमें इस पर कार्य करना है। जल संरक्षण एवं नदी हमारी जीवन के लिये जरूरी है। नदी हमारी सभ्यता की जननी रही है। शाहपुरा ग्राम शौभाग्यशाली है जहां नदी बहती है वह भी बारह मासी है इसको सहेजना एवं संरक्षण करना हम सबकी जिम्मेदारी है।

जल महोत्सव का समापन

विश्व जल दिवस के अवसर पर रिलायंस फाउन्डेसन के सहायोग से चलाये गये जल महोत्सव की प्रगति से जिला प्रबंधक मुकेश सिंह सेंगर ने सबको अवगत कराया। आरती के विश्कर्मा के द्वारा जल जांच के महात्व एवं पपेट शो के माध्यम से नदी जल संरक्षण की जानकारी दी जो व्यावहार परिवर्तन में सहायक है। कार्यक्रम के अन्त में जल संरक्षण की शपथ एवं पेयजल में उपयोगी कूप का सभी वालिन्टयर ने साफ सफाई की। कार्यक्रम का संचालन आशीष कुमार झा ने किया एवं आभार प्रदर्शन किया।

संगठित कांग्रेस को दुनिया की कोई ताकत नहीं हरा सकती, पन्ना में बोले प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी

भाजपा की जन विरोधी नीतियों को जन-जन पहुंचने का किया आवहान - प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी

पन्ना। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रभारी और राजस्थान के विधायक हरीश चौधरी अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान पन्ना पहुंचे। स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित जिला समन्वय समिति की बैठक में उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए जीत का मूल मंत्र दिया।

एकजुटता ही सबसे बड़ी शक्ति-

हरीश चौधरी ने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता और पदाधिकारी मतभेदों को भुलाकर एकजुट हो जाए तो दुनिया की कोई भी ताकत पार्टी को शिकस्त नहीं दे सकती।

कार्यकर्ता तय करेंगे टिकट -

एक बड़ा ऐलान करते हुए उन्होंने कहा कि अब पार्टी में पुरानी परिपाटी को खत्म किया जाएगा। आगामी चुनावों में सांसद और विधायक का टिकट दिल्ली या भोपाल से नहीं बल्कि जमीन पर काम करने वाला कार्यकर्ता तय करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल पद मिलने से कोई संतुष्ट नहीं हो सकता, पार्टी के प्रति कार्यकर्ता की निष्ठा और समर्पण ही उसकी असली पहचान है। श्री चौधरी ने कांग्रेस को सभी वर्गों को जोडऩे वाली पार्टी बताते हुए उन्होंने गांव-गांव में संगठन को मजबूत करने और नए कार्यकर्ताओं को जोडऩे पर जोर दिया।

वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं से वन-टू-वन चर्चा -

बैठक के दौरान प्रदेश प्रभारी ने न केवल मार्गदर्शन दिया बल्कि समन्वय समिति के सदस्यों और वरिष्ठ नेताओं से व्यक्तिगत रूप से चर्चा कर जमीनी फीडबैक भी लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में एक छोटे से कार्यकर्ता से लेकर मंत्री-सांसद तक, सबका सम्मान बराबर है। समन्वय समिति की बैठक के उपरांत प्रदेश प्रभारी इंद्रपुरी कॉलोनी स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने सर्वप्रथम सेवा दल द्वारा आयोजित झंडा वंदन कार्यक्रम में शामिल होकर ध्वजारोहणकर सलामी ली। इसके उपरांत पार्टी को मजबूत बनाने संगठित होकर कार्य करने एवं भाजपा की जन विरोधी नीतियों को जन-जन पहुंचने का आवाहन किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनीश खान ने विस्तार से किए जा रहे पार्टी के कार्यों को बदलते हुए भरोसा दिलाया कि हम जिले के अंदर पूरी टीम भावना से कार्य का संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

बैठक में इनकी रही उपस्थिति-

बैठक में जिले के दिग्गजों का जमावडा रहा। जिनमें मुख्य रूप से प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी रण विजय सिंह लोचन, जिला अध्यक्ष अनीश खान, जिला प्रभारी राजभान सिंह, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव वीरेंद्र द्विवेदी, पूर्व विधायक श्रीकांत दुबे, महेंद्र बागरी, पूर्व जिला अध्यक्ष भास्कर देव बुंदेला, श्रीमती दिव्या रानी, शिवजीत सिंह भैया राजा, पूर्व प्रत्याशी श्रीमती कविता राजे, भरत मिलन पाण्डेय, श्रीमती मीना यादव, जीवनलाल सिद्धार्थ, वरिष्ठ नेता रामकिशोर मिश्रा, पुष्पेंद्र सिंह परमार, राजेश तिवारी, भुवन विक्रम सिंह, रावेन्द्र सिंह बुंदेला, रेहान मोहम्मद, मार्तंड देव बुंदेला, वैभव थापक, दीपक तिवारी, श्रीमती आस्था तिवारी, सौरभ सिंह, सौरभ पटेरिया, रमन दीक्षित, आकाश जाटव, आनंद शुक्ला, सेवालाल पटेल, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्षगण श्रीमती रमा बुंदेला, मिलन कुशवाहा, सौरभ दुबे, बहोरी लाल लोधी, मुकेश चौरसिया, महेन्द्र दीक्षित अरुण बबलू गौतम, नगर कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र प्रभाकर अवस्थी, रामबहादुर द्विवेदी, राज बहादुर पटेल, राकेश शर्मा और डॉ. कदीर खान सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन जिला प्रभारी राजभान सिंह द्वारा किया गया।

न्याय नहीं मिला तो व्यापक जन आंदोलन का रूप लेना तय - समाजसेवी अमित भटनागर

हजारों आदिवासी महिलाएं शहीद दिवस पर सांकेतिक फाँसी लगा प्रधानमंत्री को खून से लिखेंगी पत्र

कानून की अनदेखी, दमन और झूठे आश्वासनकृप्रशासन का रवैया बेहद चिंताजनकरू अमित भटनागर

"प्रशासन की तानाशाही और झूठे आश्वासनों से तंग आकर हजारों आदिवासियों ने छेड़ी आर-पार की लड़ाई

पन्ना। केन-बेतवा लिंक सहित मझगांय मध्यम, रुंझ एवं नैगुवा लघु सिचाई परियोजनाओं से प्रभावित आदिवासी, किसान और महिलाएं अब प्रशासन की तानाशाही और लगातार झूठे आश्वासनों से तंग आकर आर-पार की लड़ाई के मूड में आ गए हैं। इसी के तहत 23 मार्च, शहीद दिवस के दिन "सांकेतिक फांसी एवं रक्त-पत्र सत्याग्रह" आयोजित किया जाएगा। जय किसान संगठन के नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर ने आरोप लगाया कि पिछले 4 वर्षों से प्रभावित लोग प्रशासन के आश्वासनों पर भरोसा करते आ रहे थे, लेकिन अब प्रशासन ने "झूठ की हद पार कर दी है"। उन्होंने बताया कि 14 फरवरी को छतरपुर कलेक्टर द्वारा एक माह में सभी गांवों में पारदर्शी सर्वे और ग्राम सभाएं कराने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन आज तक अधिकांश गांवों में न तो सर्वे हुआ और न ही एक भी ग्राम सभा आयोजित की गई। अमित भटनागर ने यह भी आरोप लगाया कि महिलाओं पर हुए लाठीचार्ज की अब तक कोई जांच नहीं हुई, यहां तक कि घायलों की डरब तक नहीं कराई गई, जबकि कई प्रभावितों पर उल्टा फर्जी मुकदमे दर्ज कर दिए गए, जिनकी जानकारी तक उन्हें नहीं दी जा रही। पन्ना जिले में भी प्रभावित महिलाओं और आदिवासियों को कागज देने के नाम पर झूठा आश्वासन दिया गया। उन्हें रातभर रुकने पर मजबूर किया गया, पानी की सप्लाई तक रोक दी गई, डराया-धमकाया गया और सुबह कार्यालयों में ताले लगा दिए गए। विरोध करने पर महिलाओं के साथ धक्का-मुक्की और लाठीचार्ज किया गया तथा अमित भटनागर को भी गिरफ्तार किया गया, इस सबके बाद भी जब सत्याग्रही अपनी मांगों पर अड़े रहे व उन्होंने हजारों की संख्या में अपनी गिरफ्तारी दी तो न्याय सत्याग्रह के दबाव में आकर प्रशासन को झुकना पड़ा, लिखित आश्वासन के बाद न्याय सत्याग्रह स्थगित हुआ। न्याय सत्याग्रह आंदोलन के बाद प्रशासन द्वारा लिखित आश्वासन दिया गया था कि 5 दिन में सभी दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएंगे और 7 दिन में गांव-गांव समितियां बनाकर जांच की जाएगी, लेकिन 11 दिन बीत जाने के बाद भी न तो दस्तावेज दिए गए और न ही कोई सर्वे या जांच शुरू हुयी, बल्कि आंदोलनकारी किसी भी तरह का आंदोलन न कर सके पन्ना में 2 महीने के लिए बीएनएस की धारा 163 जो पूर्व में आईपीसी की धारा 144 कहलाती थी लगा दी गई है। आंदोलन के नेतृत्वकर्ता जय किसान संगठन के नेता अमित भटनागर ने प्रशासन का कानून का पालन न करना, कानून की बात करने पर लाठी चार्ज, गिरफ्तारी जैसी दमनात्मक गतिविधियों व झूठे झूठे आश्वासन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि शासन प्रशासन का व्यवहार सिर्फ प्रभावित थी नहीं बल्कि पूरा देश देख रहा है अब यह आंदोलन केवल विस्थापितों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे क्षेत्र में फैलता जा रहा है। इसी के चलते 23 मार्च को हजारों महिलाएं, किसान और आदिवासी सांकेतिक फांसी लगाकर और खून से पत्र लिखकर अपना विरोध दर्ज करेंगे। भटनागर ने चेतावनी दी कि यदि अब भी न्याय नहीं मिला, तो यह आंदोलन और तेज होकर व्यापक जनआंदोलन का रूप लेगा।

खबर संक्षेप

बिजली कटौती से जिला अस्पताल की व्यवस्थाएं ठप, ब्लड बैंक सेवा पूरी तरह प्रभावित

जनरेटर बंद और बिजली संकट ने अस्पताल की पोल खोल दी

छतरपुर। जिला अस्पताल में रविवार को लंबी बिजली कटौती के कारण स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमरा गईं। बिजली विभाग द्वारा मेंटेनेंस कार्य के चलते अस्पताल में कई घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिसका सीधा असर मरीजों और उनकी देखभाल पर पड़ा। सबसे ज्यादा परेशानी ब्लड बैंक में देखने को मिली, जहां दूर-दराज से आए मरीजों और उनके परिजनों को खून उपलब्ध न होने के कारण लंबा इंतजार करना पड़ा। ब्लड बैंक में बिजली न होने से न तो रक्त इक_ा किया जा सका और न ही जरूरी जांचें संभव हो पाईं। कई परिजनों ने बताया कि वे गंभीर मरीजों के लिए खून लेने पहुंचे थे, लेकिन बिजली की अनुपस्थिति के कारण उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। इससे मरीजों की हालत और बिगडऩे का खतरा बढ़ गया। हैरत की बात यह रही कि अस्पताल में जनरेटर की सुविधा मौजूद होने के बावजूद उसे चालू नहीं किया गया। स्थानीय लोगों और मरीजों के परिजनों का आरोप है कि जनरेटर केवल दिखावे के लिए रखा गया है और असल जरूरत के समय उसका इस्तेमाल नहीं हो रहा। कई लोगों ने इसे अस्पताल प्रबंधन की गंभीर लापरवाही करार दिया। मरीजों और उनके परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर खुलकर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि स्वास्थ्य सेवाएं ऐसी मूलभूत जरूरत हैं जहां बिजली कटौती जैसी छोटी सी समस्या भी जानलेवा साबित हो सकती है। उन्होंने मांग की कि ऐसी अव्यवस्था को तुरंत दूर किया जाए।

26 मार्च को लगेगा निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

छतरपुर। नगर के प्रसिद्ध एवं प्राचीन हनुमान टोरिया मंदिर परिसर में 26 मार्च को एक दिवसीय निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर स्व. नाथूराम असाटी एवं पूज्य माताजी स्व. रामकली असाटी की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन में हरि असाटी, सुशील असाटी, सुनील असाटी, राकेश असाटी, रामजी साईं एवं ओमजी असाटी सहित असाटी अनाज भंडार का सहयोग रहेगा। समिति के गिरजा पाटकर ने बताया शिविर में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय, चित्रकूट के अनुभवी नेत्र रोग विशेषज्ञों की टीम मरीजों की आंखों की जांच करेगी। शिविर के दौरान जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क चश्मे एवं दवाइयों का वितरण किया जाएगा। साथ ही जांच के उपरांत मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों की पहचान कर उन्हें ऑपरेशन हेतु चित्रकूट भेजने की व्यवस्था भी की जाएगी। हनुमान टोरिया सेवा समिति ने नगर एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संभाग स्तरीय प्रतियोगिता

कटनी। शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन एवं क्रीड़ा अधिकारी नागेन्द्र यादव के निर्देशन में महाविद्यालय के दो अधिकारी मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित संभाग स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु जबलपुर पहुंचे। यह प्रतियोगिता प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकौशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय, जबलपुर में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में डॉ. अर्पित द्विवेदी, सहायक प्राध्यापक (गणित) ने शतरंज प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा विजेता बने।

कुएं में तेंदुए का शव मिलने के बाद, वन विभाग ने खेत मालिक को बनाया आरोपी

छतरपुर।

जिले के खजुराहो वन परिक्षेत्र कार्यालय के अंतर्गत बंसिया बंसिया गांव में कालिया बाबा स्थान के निकट एक खेत पर बने बिना मुंडेर के कुएं में तेंदुए का शव मिलने के बाद वन विभाग ने जांच में पाया कि खेत मालिक द्वारा खेत की रखवाली के लिए 11 केवी के लगाए गए नंगे तारों की चपेट में आने से तेंदुए की मौत हुई है। वन विभाग ने विद्युत के नंगे तार और खूंटी बरामद करने के बाद खेत मालिक अग्निहोत्री को आरोपी बनाया है। वन विभाग की टीम ने आरोपी को आज न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेजने की कार्यवाही की गई।

वन अपराध प्रकरण क्रमांक 643/20 दिनांक 20 मार्च 2026 पंजीबद्ध किया गया और इस मामले में खेत मालिक को गिरफ्तार किया गया है जानकारी के अनुसार 20 मार्च 2026 को वन मण्डल छतरपुर अंतर्गत वन परिक्षेत्र लवकुशनगर (खजुराहो) की बीट हरई से लगे राजस्व ग्राम बंसिया अंतर्गत कुएं में एक मृत वन्य प्राणी तेदुआ का शव पड़ा होने की सूचना प्राप्त हुई सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और जांच उपरांत घटना स्थल का घेराव किया गया। घटना स्थल के निरीक्षण के लिए पन्ना टाईगर रिजर्व, पन्ना के डॉग स्कॉड को बुलाया गया प्रकरण में दिनांक 21 मार्च 2026 को डॉग स्कॉड के द्वारा गहन छानबीन की गई। जिसमें प्रथम दृष्टया पाया गया कि तेंदुआ को करंट लगाकर मारा गया और उसे कुएं में फेंक दिया गया। जिसके चलते वन विभाग ने खेत मालिक को आरोपी बनाकर न्यायालय में पेश किया, जहां जेल भेजने की कार्यवाही की गई।

डीएफओ ऋषि मिश्रा के निर्देशन पर पन्ना टाइगर रिजर्व के डॉक्टर के द्वारा तेंदुए के शव का पीएम किया गया, और जांच अधिकारी के तौर पर छतरपुर वन विभाग एसडीओ है,और भी जो तथ्य सामने आएंगे उसके अनुसार आगें की कार्यवाही की जाएगी।

खजुराहो रेंजर नीलेश प्रजापति ने बताया कि खेत पर मिले विद्युत के नंगे 11 केवी के तार और अन्य साक्ष्यों के आधार पर खेत मालिक फूलचंद अग्निहोत्री को आरोपी बनाया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेजने की कार्यवाही की गई।

घर में घुसकर मारपीट का आरोप, दोनों पक्ष आमने-सामने

जमीनी विवाद में हिंसा, वायरल वीडियो से बढ़ा बवाल

छतरपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम कर्री में जमीन के विवाद को लेकर हुई मारपीट का मामला अब सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के साथ सुर्खियों में है। वीडियो में एक युवक ईंट से हमला करता दिखाई दे रहा है, जबकि आसपास के लोग बीच-बचाव की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है और दोनों पक्षों में आक्रोश देखा जा रहा है। पीड़ित पक्ष की ओर से इंद्रा तिवारी ने बताया कि जमीन के लेन-देन को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था। आरोप है कि पटेल पक्ष ने तय राशि से अधिक पैसे देने की बात कही थी, लेकिन इसी मुद्दे पर रात में दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस, कहासुनी और गाली-गलौज हो गई। अगले दिन सुबह बल्लू पटेल, बन्नू पटेल, गौरीशंकर पटेल और रोहित पटेल ने मिलकर उनके पुत्र दीपक पटेल पर हमला किया। हमले में दीपक के सिर में गंभीर चोट आई। इंद्रा तिवारी ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी बेटी के साथ भी मारपीट की गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है, जिसे पीड़ित पक्ष साक्ष्य के रूप में पेश कर रहा है। दूसरी ओर आरोपी पक्ष ने सभी आरोपों को पूरी तरह निराधार करार दिया है। विद्या पटेल ने कहा कि उनके परिवार को साजिश के तहत झूठा फंसाया जा रहा है और पुलिस उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है। उन्होंने दावा किया कि असल में पीड़ित पक्ष ने ही उकसावा दिया और अब उल्टा उन्हें आरोपी बनाया जा रहा है। फिलहाल दोनों पक्षों ने सिविल लाइन थाने में अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वायरल वीडियो सहित अन्य साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है।

छतरपुर के कलानी गांव में लाठी-डंडों से हमला, पुलिस कार्रवाई पर परिवार नाराज

छतरपुर। जिले के गढ़ी मलहरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कलानी गांव में रविवार सुबह करीब 5 बजे एक 40 वर्षीय व्यक्ति के साथ क्रूर मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित मदन राजपूत ने बताया कि गांव के ही कुछ दबंग युवकों ने उनसे पैसों की मांग की। जब उन्होंने पैसे देने से साफ मना कर दिया तो आरोपी शिब्बू राजा, कल्लू कुशवाहा एवं उनके साथियों ने मिलकर लाठी-डंडों से जमकर हमला बोल दिया।

हमले में मदन राजपूत के सिर, दोनों पैरों और हाथों में गंभीर चोटें आई हैं। परिजनों ने तुरंत उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि इससे पहले भी आरोपियों द्वारा उन्हें बार-बार धमकाया जाता रहा था, लेकिन उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया और मामला बढऩे नहीं दिया। इस बार हमला इतना हिंसक था कि उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस को अवगत कराया गया, लेकिन पीड़ित पक्ष का कहना है कि अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। आरोपियों के खिलाफ कोई गिरफ्तारी नहीं की गई और न ही कोई अन्य कदम उठाया गया। इस लापरवाही से परेशान परिजन काफी नाराज हैं। उन्होंने कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करने के साथ-साथ आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

फर्जी अकाउंट के द्वारा धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

कियोस्क संचालक प्रकाश चंद्र गिरफ्तार ,सलमान सहित 5 के विरूद्व मामला पंजीबद्व

छतरपुर। शहर के थाना सिविल लाईन पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जो फर्जी अकाउंट के माध्यम से धोखाधड़ी कर रहा था। इस मामले में सिविललाईन पुलिस ने जहां कियोस्क संचालक प्रकाश चंद्र को गिरफ्तार किया है, वहीं इस पूरे मामले में सलमान राईन सहित 5 आरोपियों के विरूद्व धोखाधड़ी का मामला पंजीबद्व किया है। आरोपी के पास से बैग में 2 लैपटॉप, 4 ऐंड्राइड मोबाईल फोन 4 एटीएम किट सिम कार्ड एवं अकाउंट ओपनिंग रजिस्टर पाए गए है, जिनकी जांच की गई। जानकारी के अनुसार सिविल लाईन पुलिस रात को पन्ना रोड़ हैलीपेड के पास पेट्रोलिंग कर रही थी तभी हैलीपेड ग्राउण्ड में एक व्यक्ति के म्यूल बैंक अकाउंट (आनलाईन धोखाधड़ी पैसों को ट्राजेक्शन करने में प्रयोग) बेचने संबंधी सूचना प्राप्त हुई थी। संदेह के आधार पर पुलिस ने आरोपी प्रकाश चंद्र के बैग की विधिवत तलाशी ली तो उसमें उपरोक्त चीजें पाई गई। जिनकी जांच करने पर अकाउंट ओपनिंग रजिस्टर में ऐसे अकाउंट की इट्री पाई गई। जिनकी विरूद्व राष्ट्रीय पोर्टल में साईबर फ्राड की शिकायतें है उक्त सामग्री लेपटॉप मोबाईल सिम एटीएम रजिस्टर इत्यादि कीमत लगभग 2 लाख रूपए बरामद किया गया।

सदेंही कियोस्क संचालक पर विधिवत कार्यवाही कर उसे अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने बताया कि वह कियोस्क संचालक है। खाता खोलकर आरोपियों को धोखाधड़ी हेतु एटीएम उपलब्ध करवाता है इस धोखाधड़ी की कार्यवाही में सलमान राईन सहित अन्य सहयोगी शामिल है जिनकों वह एटीएम किटें व नई सिम देने यहां आया था सिविल लाईन थाने में धोखाधड़ी के अपराध में शामिल 5 आरोपियों पर मामला दर्ज किया गया।

इस धोखाधड़ी के मामले का खुलासा होने पर थाना सिविल लाईन पुलिस ने आरोपी कियोस्क संचालक प्रकाश चंद्र विश्वकर्मा पिता स्वामी प्रसाद विश्वकर्मा निवासी दुर्गा कॉलोनी छतरपुर, सलमान राईन, प्रथम चौरसिया, ऋषि चौरसिया, सुरेश प्रजापति सभी निवासी छतरपुर के विरूद्व भारतीय न्याय सहिंता के तहत धोखाधड़ी का अपराध पंजीबद्व किया गया और प्रकरण में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश व विवेचना कार्यवाही की जा रही है।

जंगल में स्थित मंदिर जहां दिन में 3 बार अलग-अलग रूपों में होते हैं मां काली के दर्शन

छतरपुर। छतरपुर जिला मुख्यालय से महज 6 किलोमीटर दूर हमा गांव के जंगल में स्थित मां काली का यह सिद्ध मंदिर देश में अपनी अनूठी विशेषता के लिए प्रसिद्ध है। यहां मां काली दिन में तीन बार अलग-अलग रूप बदलकर अपने भक्तों को दर्शन देती हैं। सुबह बाल्य अवस्था में, दोपहर को युवा वयस्क रूप में और शाम को वृद्धावस्था में मां के दर्शन होते हैं। इस चमत्कार के कारण यह मंदिर देश का इकलौता ऐसा मंदिर माना जाता है जहां माता तीन अलग-अलग स्वरूपों में विराजमान होती हैं।

भक्तों की मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मां की आराधना करने पर हर मनोकामना पूरी होती है। मंदिर छोटा-सा होने के बावजूद मां की शक्ति और चमत्कार इतने प्रबल हैं कि देश के कोने-कोने से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। खासकर

नवरात्रि के दौरान मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है और मेला-सा लग जाता है।

मंदिर की स्थापना की कहानी भी बेहद चमत्कारी है। लगभग 300 वर्ष पूर्व कलकत्ता से पुष्य नक्षत्र में मां काली की मूर्ति यहां लाई गई थी। पुष्य नक्षत्र को बृहस्पति का नक्षत्र माना जाता है, जिसमें किए गए अनुष्ठान का फल कई गुना बढ़ जाता है। मान्यता है कि मूर्ति को लेकर जाते समय पुष्य नक्षत्र समाप्त होने पर मां वहीं रुक गईं। इसके बाद यहां विशाल यज्ञ-हवन करवाया गया, जिसमें मां कन्या रूप में साक्षात प्रकट हुईं और प्रतिमा के रूप में स्थापित हो गईं।

मंदिर के पुजारी और स्थानीय लोगों के अनुसार, यह मंदिर 300 साल पुराना है। माता यहीं प्रकट हुईं। मंदिर बहुत सिद्ध है, जो भी मां से मांगा जाता है, मिल जाता है। नवरात्रि में यहां भक्तों का तांता लगा रहता है और हर मनोकामना पूरी होती है। एक अन्य भक्त ने बताया, मेरे पूर्वज पीढिय़ों से इसी मंदिर में पूजा करते आए हैं। माता की मूर्ति कलकत्ता से लाई गई थी और पुष्य नक्षत्र में चलती हुई यहां रुक गईं। यज्ञ के दौरान मां साक्षात प्रकट हुईं।

स्टे आदेश के बावजूद जारी रहा निर्माण, पीड़ित ने पुलिस में की शिकायत

छतरपुर। शहर के सटई रोड स्थित पीतांबरा मंदिर के निकट एक विवादित प्लॉट पर न्यायालय के स्टे आदेश की अवहेलना करते हुए निर्माण कार्य जारी रहने का मामला सामने आया है। पीड़ित राजेश चौरसिया ने थाना सिविल लाइन में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि पुलिस चार बार मौके पर पहुंचकर निर्माण रुकवा चुकी है, लेकिन हर बार कार्य दोबारा शुरू कर दिया जाता है।

मामला अनुविभागीय दण्डाधिकारी न्यायालय में विचाराधीन है, जहां धारा 164 के तहत प्रारंभिक आदेश जारी किए गए हैं। कोर्ट ने दोनों पक्षों को यथास्थिति बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य न करने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद अनावेदकगण द्वारा जबरन निर्माण का प्रयास किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में तनाव और विवाद की स्थिति बनी हुई है।

बेटे-बहू ने सास-ससुर को डंडों से पीटा, अस्पताल में भर्ती

छतरपुर में पारिवारिक विवाद में बुजुर्ग दंपति घायल

छतरपुर। छतरपुर जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। बेटे और बहू ने मिलकर अपने सास-ससुर पर लाठी-डंडों से जमकर हमला कर दिया। इस मारपीट में 60 वर्षीय आशा वाल्मीकि और उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।

घायल आशा वाल्मीकि ने अस्पताल में बताया कि उनके बेटे ने कुछ साल पहले प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद से बहू का व्यवहार परिवार के प्रति ठीक नहीं रहा। आशा के अनुसार बहू ने दहेज में कुछ नहीं लाया, लेकिन अब घर और संपत्ति में हिस्सा मांग रही है। उन्होंने कहा कि उनके पति लंबे समय से बीमार रहते हैं और वह खुद मेहनत-मजदूरी करके घर चलाती हैं। बहू घर के कामकाज में कोई सहयोग नहीं करती और रोज-रोज विवाद करती रहती है।

बीती रात यह विवाद इतना बढ़ गया कि बहू ने अपने पति के साथ मिलकर सास-ससुर पर लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। आशा वाल्मीकि को सिर, आंख, हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। उनके पति का हाथ टूट गया है। मारपीट के बाद दोनों घायल अवस्था में सीधे जिला अस्पताल पहुंचे। पीड़िता आशा ने अस्पताल बिस्तर पर ही कहा कि बेटे और बहू ने उन्हें अधमरा कर दिया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे जल्द ही पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराएंगी और बेटे-बहू के खिलाफ रिपोर्ट लिखवाएंगी। फिलहाल उन्होंने कोई लिखित शिकायत नहीं दी है।

महाराजा छत्रसाल शौर्य पीठ पर गूंजा बुंदेलखंड केसरी का शौर्य

प्रतिमा स्थापना दिवस पर हुआ कार्यक्रम, कवियों ने किया काव्य पाठ

छतरपुर। छतरपुर जिले की नौगांव जनपद अंतर्गत आने वाले पर्यटक ग्राम मऊसहानियां स्थित छत्रसाल शौर्य पीठ पर शनिवार को बुंदेलखंड केसरी महाराजा छत्रसाल की 52 फीट ऊंची विशाल प्रतिमा का 9वां स्थापना दिवस समारोह गरिमामय ढंग से मनाया गया। महाराजा छत्रसाल स्मृति शोध संस्थान द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में शौर्य गाथाओं और काव्य पाठ के जरिए महाराजा के बलिदान और पराक्रम को याद किया गया।
कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि छतरपुर विधायक ललिता यादव एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा महाराजा छत्रसाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। समारोह की अध्यक्षता पूर्व मंत्री मानवेंद्र सिंह (भंवर राजा) ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया, देवेंद्र अग्रवाल, सुशील असाटी, संस्थान के संरक्षक गोविंद सिंह बुंदेला, राजेन्द्र यादव मोनू एवं मऊसहानियां सरपंच कुमारी साक्षी सोनी उपस्थित रहीं। वक्ताओं ने महाराजा

छत्रसाल के जीवन संघर्ष और उनके अदम्य साहस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी शौर्य गाथाएं आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। स्थापना दिवस के इस विशेष अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन ने समां बांध दिया। प्रसिद्ध कवि सुरेंद्र शर्मा सुमन, तेजपाल सिंह सेंगर राठ, जितेंद्र यादव जीत, अजय मोहन तिवारी, नीरेंद्र सिंह परमार, प्रेमनारायण बबलू नौगांव और भारतेंदु पटैरिया ने अपनी रचनाओं के माध्यम से बुंदेलखंड की माटी और महाराजा के गौरवशाली इतिहास का बखान किया। आयोजन में महाराजा छत्रसाल स्मृति शोध संस्थान के अध्यक्ष भरत पाठक, पूर्व अध्यक्ष भगवत अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष राकेश शुक्ला, धीरेंद्र शिवहरे, सुशील वैद्य, वंदना बुंदेला, अनिल अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक आशीष ताम्रकार, कमलेश अहिरवार, पुष्पेंद्र खरे और दृगेंद्र देव सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया और अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और पर्यटक मौजूद रहे, जिन्होंने बुंदेलखंडी संस्कृति और शौर्य के इस अनूठे संगम का आनंद लिया।

सैनिक वेतन के लिए नहीं वतन के लिए करते हैं नौकरी: पं धीरेंद्र शास्त्री

बेटी के जन्म लेते ही सूबेदार देते हैं 5 हजार, उत्कृष्ट विद्यार्थियों को 10 हजार

छतरपुर। सेना में सूबेदार के पद पर रहकर पुष्पेंद्र तिवारी नाम के व्यक्ति द्वारा अपने गांव में एक सराहनीय पहल की जा रही है। सूबेदार उन माताओं को 5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देते हैं जिन माताओं के घर बेटियों का जन्म होता है। इतना ही नहीं कक्षा 10वीं 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी 10 हजार रुपए देकर सूबेदार सम्मानित करते हैं । बागेश्वर धाम पीठाधीश पं धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सूबेदार की इस पहल को न केवल सराहा बल्कि कहा कि एक सैनिक वेतन के लिए नौकरी नहीं करता बल्कि वतन के लिए नौकरी करता है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे देश का तिरंगा सैनिकों की सांसों से ही लहराता है। देश की आन बान शान की रक्षा में सैनिक अपने प्राण न्योछावर कर देता है। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों और बेटियों की माताओं को मंच से सम्मानित किया। पन्ना जिले के ग्राम दानवरा के सूबेदार पुष्पेंद्र कुमार तिवारी दानवीर के रूप में सामने आए हैं।
जानकारी के मुताबिक पन्ना जिला अंतर्गत सिमरिया तहसील के ग्राम दानवरा के रहने वाले पुष्पेंद्र कुमार तिवारी सेना में सूबेदार के पद पर कार्यरत है। वे नौकरी के साथ ही सामाजिक सरोकार से भी जुड़े हैं। श्री तिवारी बेटियों के जन्म पर उनकी माता को 5 हजार देकर उनका मान बढ़ाते हैं और उन्हें यह एहसास दिलाते हैं कि उनके घर जो बेटी आई है वह अत्यंत भाग्यशाली है। श्री तिवारी ने जब अपनी सामाजिक गतिविधियों के बारे में बागेश्वर महाराज से शेयर किया तो महाराज श्री ने उनका हौसला बढ़ाने के लिए मेधावी छात्रों और बेटियों की माताओं को बागेश्वर के मंच से सम्मानित करने का वचन दिया था। साधना में होने के बावजूद महाराज श्री ने अपना वचन निभाते हुए सभी को सम्मानित किया। बेटी को जन्म देने वाली सत्य माता को बागेश्वर महाराज ने आशीर्वाद दिया वहीं कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 80 फ़ीसदी से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 8 छात्र- छात्राओं को सम्मानित किया।

मेधावी छात्रों को कराते हैं हवाई यात्रा, महिलाओं को बनाते हैं सशक्त

सूबेदार पुष्पेंद्र तिवारी की गतिविधियां यही नहीं रुकती। 90 फ़ीसदी से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को खजुराहो से दिल्ली तक हवाई यात्रा करवा कर उनका उत्साह बढ़ाते हैं। इतना ही नहीं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के माध्यम से शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 1 हजार से लेकर 5 हजार तक की प्रोत्साहन राशि देते हैं। श्री तिवारी समाज में बेहतर काम करने वाली महिलाओं को भी सम्मानित करते हैं। इस वर्ष पांच महिलाओं को सम्मानित किया गया। मिनी मैराथन में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित करते हैं। श्री तिवारी शिक्षा, नारी सशक्तिकरण और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने के कार्य में लगे हैं। उनके इन कार्यों की महाराज श्री ने मुक्त कंठ से सराहना की।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री अल्प प्रवास पर पहुंचे रीवाजनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने किया आत्मीय स्वागत

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल से वायुयान द्वारा रीवा एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट में जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री जी का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री जी के साथ उनकी धर्मपत्नी भी रीवा पहुंचीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का रीवा एयरपोर्ट में डॉ. अजय सिंह, आईजी गौरव राजपूत, डीआईजी हेमंत चौहान, कलेक्टर प्रतिभा पाल एवं पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने हार्दिक स्वागत किया। मुख्यमंत्री रीवा एयरपोर्ट से हेलीकाप्टर द्वारा मिर्जापुर (उत्तरप्रदेश) जिले के परमहंस आश्रम शक्तेशगढ़ के लिये रवाना हुए।

संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर का 35 करोड़ रूपये की लागत से होगा निर्माण

गौमाता के आशीर्वाद से ही विकास के सभी कार्य हो रहे हैं - उप मुख्यमंत्री

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने लक्ष्मणबाग में रामानुज संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विन्ध्य क्षेत्र संस्कृत ज्ञान के कारण छोटी काशी के रूप में विख्यात रहा है। यहां कई गांव में संस्कृत के स्कूल और कॉलेज वर्षों से संचालित हैं। रामानुज संस्कृत विश्वविद्यालय विन्ध्य में संस्कृत के पुनः स्थापना का केन्द्र बनेगा। सनातन परंपरा और संस्कृत से ही हमारी प्राचीन संस्कृति का संरक्षण होगा। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विश्व गुरू बनने की ओर कदम बढ़ा रहा है आज विश्व में जो भीषण समस्यायें हैं उनका समाधान और विश्वशांति की स्थापना का समर्थ केवल भारत में है। भारत अपने प्राचीन ज्ञान और संस्कृति से दुनिया को नई राह दिखायेगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विन्ध्य के संस्कृत विद्वानों द्वारा संस्कृत के पठन-पाठन केन्द्र और विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए लंबे समय तक प्रयास किया गया आज सभी का सपना पूरा होने जा रहा है। लक्ष्मणबाग में 35 करोड़ रूपये की लागत से भव्य संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर एक साल में बना दिया जायेगा। इसमें कॉलेज, छात्रावास, पुस्तकालय तथा विद्यार्थियों के निःशुल्क भोजन , आवास और पढ़ाई की सुविधा रहेगी। यह परिसर संस्कृत को पुनः स्थापित करने में सफल होगा। सुंदर प्राकृतिक वातावरण, गौमाता और चारधाम के देवताओं के विग्रह के सान्निध्य में संस्कृत पुष्पित और पल्लवित होगी। रीवा में भौतिक विकास की गाड़ी अब तेजी से दौड़ रही है। मैं अब गौसेवा और आध्यात्मिक क्षेत्र में अपना मन लगाना चाहता हूँ। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बसामन मामा, हिनौती गौधाम और लक्ष्मणबाग में हजारों गौमाता की सेवा हो रही है। गौमाता के आशिर्वाद से ही विकास के सभी कार्य हो रहे हैं। हमें अपना और मिट्टी का स्वस्थ्य सुधाने के लिए प्राकृतिक खेती को अपनाना आवश्यक है। गौमाता से प्राप्त गोबर और गोमूत्र से तैयारी खाद से प्राकृतिक खेती करें। सनातन ज्ञान परंपरा और प्राकृतिक खेती से ही हमें विकास और सुख का सही मार्ग मिलेगा। संगोष्ठी में पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय के उज्जैन के कुलगुरू प्रो. शिवशंकर मिश्र ने कहा कि विन्ध्यधारा अत्यंत तेजस्विनी है। इसी धारा पर महार्षि बाल्मीकी ने रामायण, महाकवि बाणभट्ट ने कादंबरी की रचना की है। देश की सनातन परंपरा की रक्षा के लिए संस्कृत का विकास आवश्यक है। नवीन परिसर के निर्माण से संस्कृत के पठन-पाठन की उत्तम सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। भारत वर्ष की रक्षा और विकास के लिए हमें वेद, गीता और रामायण की ओर जाना होगा। संगोष्ठी में प्रो. अंजनी प्रसाद पाण्डेय, प्रो. रघुराज तिवारी, प्रो. दिलीप सोनी तथा परिसर प्रभारी डॉ. अनिल मुवेल ने भी अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किये। समारोह में जिला रेडक्रास समिति के अध्यक्ष डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी, लक्ष्मणबाग के कार्यकारी संचालक तथा एसडीएज हुजूर डॉ. अनुराग तिवारी, सूर्यकांत चौबे, बलभद्र शुक्ल, आरपी तिवारी, जयराम शुक्ला, राजेश पाण्डेय तथा बड़ी संख्या में विद्वानजन उपस्थित रहे।

प्रबंधन की तानाशाही के खिलाफ अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट, रीवा मे मजदूरों का आंदोलन 21 वें दिन भी जारी

रीवा

अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट, बेला , रीवा के 300 से अधिक मजदूर पिछले 21 दिनों से अपनी जायज़ मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। मजदूर प्लांट के सामने अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं और उनकी मुख्य मांग 8 घंटे की ड्यूटी शिफ्ट, वा सभी श्रमिकों को ड्यूटी मे वापस लेना है।वेतन में सम्मानजनक वृद्धि के साथ ही सीमेंट वेज बोर्ड सेटलमेंट के तहत वेतन मांग एवं कार्यस्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम,सेफ्टी नियमो का पालन को लेकर मजदूरों का आंदोलन जारी है आंदोलनकारी मजदूरों का कहना है कि प्रबंधन उनसे 24 से 36 घंटे तक लगातार काम करवाया जा रहा है, जो अमानवीय और श्रम कानूनों का सरासर उल्लंघन है। इससे मजदूरों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है आंदोलन रत मजदूरों का आरोप है कि इसी प्लांट मे पहले कई मजदूरों की मौते हो चुकी है जिनको प्रबंधन ठिकाने लगा चूका है मजदूरों को कहना है कि प्रबंधन श्रम विभाग के हस्तक्षेप के बाद भी उनकी जायज मांगों को नजरअंदाज कर रहा है और उनकी समस्याओं को सुनने को तैयार नहीं है आंदोलन के समर्थन मे रामसरोज कुशवाहा महामंत्री एटक, अरुण तिवारी, का. लालमणि त्रिपाठी जिला पंचायत सदस्य वार्ड क्रमांक 15 रीवा,प्रमोद शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता आप मध्यप्रदेश, अनिल त्रिपाठी सामाजिक कार्यकर्त्ता शामिल रहे।

बिना रेरा पंजीयन नंबर के नहीं होगी कॉलोनियों के जमीनों की रजिस्ट्री बिल्डरों की मनमानी एवं अवैध कॉलोनियों की बसाहट पर लगेगी लगाम

रीवा। प्रदेश में रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता लाने और उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी से बचाने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। अब प्रदेश में किसी भी बिल्डर या डेवलपर को फ्लैट या मकान बेचने से पहले सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट करना होगा कि उसके प्रोजेक्ट का भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) में पंजीयन है या नहीं। नई व्यवस्था के तहत अब बिक्रय अनुबंध में रेरा पंजीयन नंबर दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। राज्य सरकार के इस निर्णय से अवैध कॉलोनियों की बसाहट एवं धोखाधड़ी पर लगाम लगेगी। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए इस नियम को कड़ाई से लागू किया जा रहा है। यदि किसी संपत्ति के विक्रय अनुबंध में रेरा पंजीयन नंबर का उल्लेख नहीं होगा, तो उप रजिस्ट्रार उस संपत्ति की रजिस्ट्री करने से मना कर सकेगा। इस कदम से उन बिल्डरों पर रोक लगेगी जो अब तक उपभोक्ताओं को धोखे में रखकर बिना पंजीयन के ही मकान या फ्लैट बेच देते थे। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों में कई बिल्डर रेरा नियमों की अनदेखी कर मनमाने ढंग से कॉलोनियां विकसित कर रहे हैं। बिना पंजीयन के बेचे गए इन मकानों के कारण बाद में उपभोक्ताओं को मूलभूत सुविधाओं और मालिकाना हक के लिए कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। हालांकि, नियमों के उल्लंघन पर रेरा द्वारा भारी जुर्माने का प्रावधान है, लेकिन इसके बावजूद कई बड़े प्रोजेक्ट बिना पंजीयन के ही पूरे कर लिए जाते हैं। अब रजिस्ट्री के स्तर पर ही रेरा नंबर की अनिवार्यता से इस खेल पर लगाम लगेगी। मप्र भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के विशेष सचिव राजेश बहुगुणा ने बताया कि बिल्डर अगर बिना रेरा पंजीयन के मकान, फ्लैट विक्रय करता है तो जुर्माने के साथ सजा का भी प्रविधान है। रेरा एक्ट उपभोक्ता के अधिकार सुरक्षित करने के लिए ही बना है। उपभोक्ताओं को भी इसके प्रति जागरूक होना होगा ताकि वे बिना रेरा पंजीयन के संपत्ति न खरीदें। रेरा के पास आए आवेदनों के आंकड़े बताते हैं कि बिल्डर अब भी नियमों के पालन में कोताही बरत रहे हैं। वर्ष 2021-22 से अब तक पिछले पांच वर्षों में रेरा के पास कुल 6,323 आवेदन पहुंचे, जिनमें से केवल 3,398 (लगभग आधे) ही स्वीकृत हुए। करीब 981 आवेदनों को निरस्त किया गया है। हर साल 50 से 82 प्रतिशत तक आवेदनों का निराकरण तो हो रहा है, लेकिन स्वीकृत पंजीयन की कम संख्या स्पष्ट करती है कि कई प्रमोटर अब भी बिना वैध अनुमति के निर्माण कार्य कर रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं के बीच विश्वास का संकट बना हुआ है।शारवाएं खोलने की आवश्यकतारियल एस्टेट कारोबार के विस्तार को देखते हुए वर्तमान में प्रदेश के सभी जिलों में रेरा की पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। यही कारण है कि लंबे समय से भोपाल के अलावा इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और रीवा में भी रेरा की शाखाएं खोलने की मांग की जा रही है। उम्मीद है कि नई व्यवस्था और शाखाओं के विस्तार से उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी और रियल एस्टेट बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी।

मुझे गर्व है मेरी भारतीय संस्कृति पर - नारायण मिश्रा

आपसी प्रेम और सद्भाव के साथ मनाया गया चैत्र शुक्ल प्रतिपदा नव वर्ष

रीवा । हिंदू नववर्ष चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को प्रारंभ होता है। यह नौ दिनों तक चलने वाले चैत्र नवरात्रि उत्सव की शुरुआत का भी प्रतीक है। आज से ही विक्रम संवत 2083 का आगमन होगा। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन सृष्टि की रचना का कार्य प्रारंभ किया था। इसके अतिरिक्त, आज के ही दिन भगवान राम का राज्याभिषेक समारोह भी संपन्न हुआ था। मुझे मेरी भारती संस्कृति पर गर्व है युक्त बातें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नारायण मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहीं भारतीय संस्कृति के अनुरूप चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को नव वर्ष मनाने की संस्कृत आज भी गोविंदगढ़ नगर में प्रचलित है लोग आज भी पश्चात संस्कृति सभ्यता को भूलकर विक्रम संवत के अनुसार ही नव वर्ष मनाते हैं चैत्र प्रतिपदा के प्रथम दिन सुबह से ही नगर में एक दूसरे को बधाई व शुभकामनाएं देते दिख रहे थे लोग ने कहा मुझे गर्व है मेरी संस्कृति पर पूरे नगर को भगवा ध्वज से सजाया गया था। शोभा यात्रा में सबसे पहले लहराते हुए भगवा ध्वज शंख घड़ी घंट की ध्वनि से पूरा शहर गूंज रहा था ढोल नगाड़े डीजे की धुन पर थिरकती बालिकाएं व युवाओं की टोली का उत्साह देखते ही बन रहा था राम दरबार एवं भारत माता की झांकी कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे आतिशबाजी पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत हो रहा था ऐसा लग रहा था मानो आकाश से पुष्प वर्षा हो रही है शोभायात्रा के समापन के पश्चात विभिन्न विद्यालयों के छोटे-छोटे बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की सभी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा मुख्य अतिथि नारायण मिश्रा वरिष्ठ अधिवक्ता जगदीश प्रसाद गुप्त वार्ड पार्षद ज्ञानेंद्र सिंह विधायक प्रतिनिधि सौरभ सिंह जी राजेंद्र वर्मा जी ने नगर वासियों को बधाई संदेश दिया एवं ऐसे अद्भुतआयोजन के लिए समिति के सभी सदस्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन शेषमणि शुक्ला और देव कुमार पांडे द्वारा किया गया आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के संयोजक पार्षद विजय गुप्ता विज्जू द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से शत्रुघ्न पाल एड राजीव कुमार गुप्ता एड. श्रीकृष्ण पाल रामावतार पाल अरविंद गुप्ता (सोनू भैया) नीतिश गुप्ता रविंद्र गुप्ता नंदू गुप्ता राजेंद्र गुप्ता सुरेश गुप्ता लाले गुप्ता गुड्डा गुप्ता अतुल गुप्ता रौनक गुप्ता का प्रशंसनीय सहयोग रहा एवं पंकज यादव कन्हैयालाल गुप्ता अनिल बुनकर रितेश विश्वकर्मा संदीप शुक्ला हर्ष गुप्ता राजेंद्र मिश्रा मुन्ना पांडे सत्यनारायण गुप्ता जी नंदू भैया सुनील मिश्रा राजेश यादव विनोद बहेलिया सुनील चिकवा सुनील बंसल संजू गुप्ता संदीप गुप्ता अजय बंसल सुनील बंसल सैकड़ो की संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एक ही स्थान पर छूट के साथ मिल रही हैं किताबें व स्टेशनरी सामग्री, कलेक्टर की उपस्थिति में पुस्तक मेले का हुआ शुभारंभ

रीवा। विद्यार्थियों को नई कक्षा में प्रवेश के लिये आवश्यक पुस्तकें स्टेशनरी, ड्रेस सहित अन्य सामग्री एक ही स्थान पर छूट के साथ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दो दिवसीय पुस्तक मेले का कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने विद्यार्थियों के साथ शुभारंभ किया। कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में 22 एवं 23 मार्च को आयोजित होने वाले पुस्तक विक्रेता अपने स्टाल लगाकर छूट के साथ सामग्री का विक्रय कर रहे हैं। कलेक्टर ने पुस्तक विक्रेताओं से कहा कि सभी विद्यालयों की किताबें पूरे सेट में मेले में ही दें तथा विद्यार्थियों व अभिभावकों को टोकन कदापि न दें। उन्होंने विक्रेताओं से अपेक्षा की कि मूल्य में अधिक से अधिक छूट दें। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि मेला स्थल में शिकायत पंजी संधारित करें तथा प्राप्त शिकायतों का शाम तक निराकरण किया जाना सुनिश्चित करायें। उन्होंने मेले के व्यवस्थित आयोजन के निर्देश देते हुए कहा कि अभिभावकों व विद्यार्थियों को परेशानी न हो। उल्लेखनीय है कि पुस्तक मेले में एक ही छत के नीचे विभिन्न विद्यालयों की किताबें, यूनिफार्म, स्टेशनरी सामग्री छूट के साथ सुगमता से उपलब्ध हो रही हैं। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने अभिभावकों व विद्यार्थियों से चर्चा कर पुस्तक मेले के विषय में जानकारी ली। बच्चों ने बताया कि उन्हें सभी किताबें एक ही जगह मिल रही हैं। अभिभावकों ने कहा कि किताबें, स्टेशनरी व यूनिफार्म लेने के लिये अलग-अलग दूकानों में नहीं जाना पड़ रहा है। एक ही जगह सभी सामग्री उपलब्ध है वह भी छूट के साथ। भ्रमण के दौरान सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, डिप्टी कलेक्टर सुरभि जैन, जिला शिक्षा अधिकारी रामराज मिश्र, सहायक संचालक राजेश मिश्रा डीपीसी राजेश तिवारी सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी अभिभावक एवं शिक्षक उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री ने पुस्तक मेले का किया अवलोकनविद्यार्थियों को नई कक्षा में प्रवेश के लिये आवश्यक पुस्तकें स्टेशनरी, ड्रेस सहित अन्य सामग्री एक ही स्थान पर छूट के साथ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय पुस्तक मेले में पहुंचकर उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने अवलोकन किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि पुस्तक मेले में एक ही छत के नीचे विभिन्न विद्यालयों की किताबें, यूनिफार्म, स्टेशनरी सामग्री छूट के साथ विद्यार्थियों व अभिभावकों को सुगमता से उपलब्ध हो सके इसके लिए जिला प्रशासन का यह प्रयास सराहनीय है। भ्रमण के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी, अभिभावक एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने निषादराज जयंती समारोह का किया शुभारंभ

रीवा । उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बीहर नदी के निषादराज घाट पर आयोजित भगवान निषादराज जयंती समारोह का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री ने भगवान निषादराज की विधिवत पूजा अर्चना की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान निषादराज भगवान राम के बाल सखा थे। निषादराज जी ने भगवान राम माता सीता और लक्ष्मण जी को वनवास काल में गंगा पार कराई निषादराज जी भगवान राम के बड़े कृपा पात्र हैं। निषादराज जी के वंशज होने के कारण आज यहां एकत्रित निषाद समुदाय भी वंदनीय है। हमारे निषाद भाई निश्छल और माता गंगा की तरह पवित्र हैं। रिवर फ्रंट निर्माण के समय हमने विशेष प्रयास करके भगवान निषादराज जी के मंदिर और निषादराज घाट का निर्माण कराया। इससे रीवा की गरिमा बढ़ी है। रीवा अब तेजी से विकास कर रहा है। इस विकास का फल सबकों मिलेगा। आपसी भाई चारा और प्रेम रहने पर ही विकास का सुख सबको मिल सकेगा। समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए निषादराज संघ के संरक्षक श्री प्रमोद सोंधिया ने विभिन्न मांगे रखी। समारोह में डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी, राजेश पाण्डेय, मुकेश वर्मा, रामानुज सोंधिया, राकेश सोंधिया, जिला पंचाय सदस्य श्रीमती गीता माझी, जिला पंचायत सदस्य रामराज केवट, निषादराज संघ के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

नाबालिक छात्रा से दुष्कर्म, शिक्षक व होटल मैनेजर गिरफ्तार बैकुण्ठपुर पुलिस नें 24 घण्टे में की कार्यवाही

रीवा। जिले की बैकुण्ठपुर पुलिस ने नाबालिक छात्रा के साथ दुष्कर्म का प्रयास करने वाले शिक्षक व होटल मैनेजर को 24 घण्टे में गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार 18 मार्च को मझिगवां शासकीय स्कूल में पीटीआई टीचर सुखदेव सिंह अपने विद्यालय में पढने वाली नाबालिक छात्रा को रीवा में खेल कूद प्रतियोगिता में शामिल होने की झूठी जानकारी देकर अपने साथ रीवा ले गया व वहां होटल के कमरे में ले जाकर नाबालिक छात्रा के साथ छेडछाड करने लगा।नाबालिक छात्रा होटल के कमरे से भागकर होटल के मैनेजर को घटना बताई होटल के मैनेजर अशोक वाधवानी ने पैसे के लालच में आकर कमरा दिया था और पीडिता द्वारा घटना बताने पर पीडिता को डरा धमका कर घर भेज दिया। पीडिता अपने घर आकर अपनी माँ को घटना बताई व पापा के घर आने पर दिनांक 20 मार्च को थाना जाकर रिपोर्ट की थी। पुलिस नें घटना को गंभीरता से लेते हुये आरोपी सुखदेव सिंह व होटल के मैनेजर अशोक वाधवानी को 24 घण्टे के अंदर गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया है। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

दो मंजिला मकान में भीषण आग, 15 लाख का नुकसानगुढ़ थाना क्षेत्र के बघमड़ा गांव की घटना, शॉर्ट सर्किट की आशंका

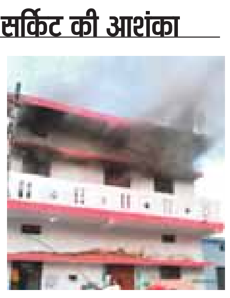

रीवा। जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बघमड़ा गांव में शनिवार शाम एक दो मंजिला मकान में अचानक भीषण आग लगने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया। आग की इस घटना में घर के ऊपरी हिस्से के दो कमरे पूरी तरह जलकर खाक हो गए, जबकि निचली मंजिल का एक कमरा भी गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुआ है। गनीमत रही कि घटना के समय परिवार के सभी सदस्य घर के बाहर थे, जिससे जनहानि टल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गृहस्वामी आशुतोष त्रिपाठी ने बताया कि शनिवार शाम करीब 6 बजे घर से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। उस समय परिवार के सदस्य घर के बाहर बैठे हुए थे। धुआं देखकर परिजनों और आसपास के ग्रामीणों ने शोर मचाया और तत्काल आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। घटना की सूचना मिलते ही गुढ़ थाना पुलिस और दमकल विभाग को सूचित किया गया। ग्रामीणों ने मोटर और डब्बों की सहायता से आग बुझाने का प्रयास किया, जिसके बाद मौके पर पहुंची दमकल टीम ने आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक घर का बड़ा हिस्सा जलकर नष्ट हो चुका था। पीड़ित के अनुसार, आगजनी में टेंट का सामान, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, अनाज, जमीन के महत्वपूर्ण कागजात सहित अन्य जरूरी सामग्री पूरी तरह जलकर राख हो गई। प्रारंभिक आकलन के अनुसार करीब 15 लाख रुपए की क्षति हुई है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर इसे बिजली के शॉर्ट सर्किट से जुड़ा माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिले में ट्रैक्टर ट्रॉलियों का धड़ल्ले से हो रहा व्यवसायिक उपयोग, परिवहन विभाग मौन

मऊगंज जिले में हो रही दुर्घटनाऔं के मामलों की यदि जमीनी हकीकत देखी जाए तो तेज रफ्तार स्टंट बाजी के बाद अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं ट्रैक्टर ट्रॉलियों से होती है, लेकिन जिम्मेदार अमला न तो स्टंट वाजों लगाम लगा पाया और न ही नियम विरुद्ध कृषि कार्य की जगह व्यवसायिक कार्य में लगे ट्रैक्टरों पर कार्यवाही होती । आलम यह है कि सार्वजनिक स्थान ही नहीं पुलिस थानों के सामने से स्टंटवाज फर्राटे मारते वाहन चलाते देखे जाते हैं। वही कृषि कार्य में प्रयोग होने वाले ट्रैक्टर पुलिस थाना ही नहीं परिवहन विभाग चेकिंग पोस्ट के सामने से ओवरलोडिंग गिट्टी बालू लेकर निकलते हैं लेकिन कार्यवाही नहीं होती। कृषि कार्य हेतु रजिस्टर्ड ट्रैक्टरों का प्रयोग व्यावसायिक दृष्टि से खुलेआम हो रहा है उधर सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं भी इसी के चलते हो रही है जिसका कारण रात्रि के समय अंधेरों में इन ट्रैक्टर ट्रॉलियों के पीछे कोई लाइट नहीं लगी होने के कारण वाहन चालकों को वाहनों की रोशनी में यह दिखाई नहीं देते और सड़क दुर्घटना का कारण बन जाते हैं। खेती किसानी की आड़ में हो रहा व्यावसायिक उपयोग जिले की स्थिति देखी जाए तो परिवहन एवं पुलिस विभाग की अनदेखी के कारण बिना रजिस्ट्रेशन के अवैध रूप से खनन कार्य में ट्रैक्टर का उपयोग कर कमाई का पर्याय बनते जा रहे हैं। ट्रैक्टर मालिक चालक श्रमिकों को साथ लेकर संगठित गिरोह की शक्ल में तब्दील हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि खेती की आड़ में खनन के खेल में ट्रैक्टर का रजिस्ट्रेशन तो कृषि कार्य के लिए कराया गया है लेकिन अधिकांश ट्रैक्टरों से रेत गिट्टी पत्थर पटिया का परिवहन किया जा रहा है अंचल ही नहीं बल्कि शहरों में भी रेत की दुलाई से लेकर ढोका पत्थर का अवैध कारोबार में दिन दूनी रात चौगुनी वृद्धि हो रही है।इन ट्रैक्टर ट्रॉलियों का व्यवसायिक उपयोग में लेने के लिए इनका परिवहन विभाग में रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है। लेकिन शहरी क्षेत्रों सहित ग्रामीण अंचलों में हजारों ट्रैक्टर ट्रॉलियां परिवहन विभाग की अनदेखी की कारण सड़कों पर बेखौफ दौड़ रहे हैं। ट्रैक्टरों के दुरुपयोग की खबरें होने के बावजूद परिवहन विभाग आंख मूंद कर बैठा हुआ है।अवैध कमाई का बना जरियाट्रैक्टरों का रजिस्ट्रेशन कमर्शियल उपयोग के लिए नहीं कराने पर ट्रैक्टर मालिकों को टैक्स भी नहीं देना पड़ता है बिना कमर्शियल परमिट के ही ट्रैक्टर का व्यवसायिक उपयोग किया जा रहा है परिवहन कार्यालय की जानकारी के अनुसार 90 फ़ीसदी ट्रैक्टर कृषि उपयोग के लिए कराया गया है। लेकिन कृषि के बाद अधिकांश ट्रैक्टर का उपयोग गैर कृषि कार्य के लिए किया जाता है।ट्रैक्टर ट्रॉली से व्यवसायिक उपयोग के दौरान बगैर रजिस्ट्रेशन नंबर लिए ट्रॉली को सड़क पर खड़ा करना भी गैर कानूनी है। अधिकारी भी मानते है कि बिना रजिस्ट्रेशन के ट्रैक्टर ट्रॉली व्यवसायिक कार्यों में चल रहे हैं। ऐसा आए दिन देखने को मिल रहा है। वहीं परिवहन विभाग यदि इन ट्रैक्टर ट्रॉलियों के खिलाफ कार्रवाई करता तो हर वर्ष लाखो रुपए की राजस्व प्राप्ति होती। लेकिन ऐसा नहीं करने से जहां एक तरफ राजस्व की नुकसान हो रही है तो वही दुर्घटनाएं भी हो रही है। ट्रेडर्स संचालकों द्वारा ट्रैक्टर ट्राली में बेची जा रही रेत गिट्टी सीमेंटट्रैक्टरों का पंजीयन भले ही खेती के कार्य के लिए कराया गया है लेकिन उपयोग कृषि कार्य में ट्रैक्टर चालकों द्वारा किया जा रहा है शहर सहित ग्रामीण अंचलों में धड़ल्ले से रेत का परिवहन किया जाता है। ट्रकों के माध्यम से आनेवाली रेत का परिवहन ट्रैक्टरों के माध्यम से किया जाता है ट्रैक्टर का रजिस्ट्रेशन के लिए कार्य के लिए कराए जाने के बाद उस का व्यवसायिक उपयोग किया जाता है ईट भट्ठों से ईट परिवहन रेत परिवहन आज सामग्रियों का परिवहन भी ट्रैक्टरों के माध्यम से किया जाता है। लेकिन जिम्मेदार अमला जानकर भी अनजान बना हुआ है।

विधायक ने डेढ़ करोड़ के विकास कार्यों का विधायक ने किया भूमि पूजन

पंचायत को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना पहली प्राथमिकता- ममता मिश्रा

मऊगंज जिले की ग्राम पंचायत बगदरा में विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल ने विभिन्न कार्यों के लिए लगभग डेढ़ करोड़ राशि कि लागत का भूमि पूजन किया ग्राम पंचायत के तुर्की हजारी एवं मुदरिया पहाड़ राम में पीसीसी रोड एवं अन्य पांच कारों के लिए यह राशि स्वीकृत की गई है वही जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शासकीय तालाब बगदरा में घाट निर्माण बूढ़ी माता मंदिर में (चौपाल) चबूतरा निर्माण कार्यों का भी भूमि पूजन किया गया इस अवसर पर विधायक ने कहा ग्राम पंचायत के उत्थान व विकास के लिए सरकार पर्याप्त राशि दे रही है जिसमें ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव रोजगार सहायक जनप्रतिनिधियों आम जनों के सहयोग से विकास कार्य करने में कोई बाधा नहीं है वहीं सरपंच ममता मिश्रा ने बताया कि डेढ़ करोड़ की राशि ग्राम पंचायत को मिली है जिसका उद्देश्य ग्राम पंचायत के विकास उत्थान में सड़क पानी स्वच्छता नाली एवं अन्य कार्यों के लिए कार्य किया जा रहा है कार्यक्रम में पूर्व सरपंच मनोज चतुर्वेदी बरहटा पप्पू सिंह रकरी सरपंच प्रतिनिधि अनिल सिंह सचिव रवि नाथ दुबे रोजगार सहायक प्रकाश मिश्रा अध्यक्ष चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में ग्राम पंचायत के जलमानस उपस्थित रहे